चार धाम यात्रा के लिए धामी सरकार तैयार

डेंगू रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य सचिव ने जारी की एडवाइजरी

प्रकाशन का गौरवाशाली 14वाँ वर्ष

दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

वर्ष 14 | अंक 49 | मूल्य 15 रुपये | 27 अप्रैल-03 मई, 2025

तैयारी तुम भी कर लो रोने की ! मेरे सहने का ये अंतिम दौर है

वर्ष 14 | अंक 49

दिव्य हिमगिरि
हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

27 अप्रैल-03 मई, 2025

संपादक
कुँवर राज अस्थाना

वरिष्ठ संवाददाता
शंभूनाथ गौतम

ब्यूरो प्रमुख
मोनिका डबराल

विज्ञापन
पूनम आर्या

ग्राफिक डिजायनर
देव भट्ट

संवाददाता
हरिद्वार : डॉ. रजनीश गौतम
पौडी : रत्नमणि भट्ट
कोटद्वार : के.पी. बौंठियाल
रूद्रपुर : हेमचन्द्र बुडलाकोटी
चमोली : मुकेश रावत
रुड़की : श्रीगोपाल नारसन
नैनीताल : शीतल तिवारी
अल्मोड़ा : संजय कुमार अग्रवाल (एड.)
विकासनगर : अजय शर्मा
प्रसार : रमेश सिंह रावत

संपादकीय कार्यालय : 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)
मोबाइल : +91 8433456398, 9410353164
Email: divyahimgiriddn@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक कुँवर बहादुर अस्थाना द्वारा सरस्वती प्रेस, 2, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित तथा 39/7 ई, ई. सी. रोड, (निकट मार्शल स्कूल सीनियर विंग) देहरादून-248001 उत्तराखण्ड से प्रकाशित। संपादक: कुँवर बहादुर अस्थाना*

*(पीआरबी एक्ट के तहत प्रकाशित सामग्री के लिए उत्तरदायी)

भारत को विश्व बैंक की चेतावनी के मायने

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और आर्थिक सहयोग विकास संगठन के बाद विश्व बैंक ने जिस तरह भारत के वृद्धि अनुमान में 0.5 फीसद तक की कटौती की है, उससे बहुत निराश होने की जरूरत नहीं है। मगर सवाल यह है कि जब हम भारत को अगले कुछ वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के दावे कर रहे हैं, तो आखिर क्या वजह है कि वृद्धि अनुमान बार-बार डगमगाते दिखते हैं। यह सच है अमेरिका की नई व्यापार नीति के बाद छिड़े शुल्क संग्राम के बीच दुनियाभर में अनिश्चितता का माहौल है। चीन से उसका टकराव बढ़ने से स्थितियां बिगड़ी ही हैं। वहीं पिछले एक दशक में आए कई झटकों की वजह से पूरे दक्षिण एशिया के देशों के पास मौजूदा वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए सीमित उपाय ही हैं। इस बीच वैश्विक एजेंसियों ने भारत का वृद्धि अनुमान घटा कर एक तरह से हमें सचेत किया है। हालांकि यह उम्मीद अब भी है कि देश तेजी से बढ़ रही दुनिया का प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा और वैश्विक स्तर पर आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ने पर भी भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 6.2-6.7 की दर से बढ़ सकती है। रिजर्व बैंक को भी उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था इसी दर से बढ़ती रहेगी। भारत के आर्थिक विकास में गिरावट की जो वजहें बताई जा रही हैं, उनमें नीतिगत अनिश्चितता तो है ही, वहीं सार्वजनिक पूंजी निवेश भी घटा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में हम उम्मीद से कम विकास कर पाए हैं, तो इसे गंभीरता से लेना होगा। उद्योग, कृषि-व्यापार और कई क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के दौरान हमें यह भी देखना होगा कि विकास के क्रम में अगर आम आदमी पीछे छूट रहा है, तो इसका क्या कारण है। चिंता की बात है कि उपभोग और निवेश को बढ़ावा देने के लिए करों में कटौती और कई बदलावों के बावजूद निजी निवेश की गति मंद पड़ रही है। समाज का अंतिम जन आगे नहीं बढ़ पा रहा है। हमें इस पर सोचना होगा, क्योंकि अर्थव्यवस्था की धुरी में उसकी भी उपस्थिति है। ऐसी कुछ नाउम्मीदियों के बीच भी यह उम्मीद बाकी है कि देश आगे बढ़ता रहेगा। जिस वक्त अमेरिका की पारस्परिक शुल्क नीति की वजह से दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता का वातावरण है, भारत के साथ उसके द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत का सिलसिला कई सकारात्मक संकेत लिए हुए है। जब डोनाल्ड ट्रंप ने अलग-अलग देशों से आयात होने वाली वस्तुओं पर अपनी शुल्क दरों की घोषणा की, तो दुनिया भर से तल्ख प्रतिक्रियाएं उभरनी शुरू हो गई। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने अपनी शुल्क नीति को नब्बे दिनों के लिए विराम दे रखा है, पर आने वाले दिनों में आर्थिक उथल-पुथल की आशंकाएं समाप्त नहीं हुई हैं। दुनिया भर के पूंजी बाजार में हिचकोले देखे जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारत के साथ अमेरिका का सकारात्मक रुख बना हुआ है। फरवरी में प्रधानमंत्री जब अमेरिका यात्र पर गए थे, तभी उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते का प्रस्ताव रखा था और अमेरिका ने उस पर गर्मजोशी दिखाते हुए अगले पांच वर्षों में पारस्परिक व्यापार गतिविधियों को वर्तमान एक सौ नब्बे अरब डालर से बढ़ा कर पांच सौ अरब डालर तक पहुंचाने का इरादा जताया था। उसके बाद भारत ने कई अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क में भारी कटौती कर दी थी। इसकी ट्रंप ने प्रशंसा भी की। तो इस तरह से तो लगता है कि भारत तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

कुँवर राज अस्थाना

तैयारी तुम भी कर लो रोने की!
मेरे सहने का ये अंतिम दौर है

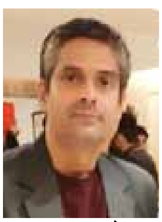

शंभू नाथ गौतम
वरिष्ठ पत्रकार

पाकिस्तान ने फिर कश्मीर ही नहीं बल्कि भारत की धरती को लहूलुहान कर दिया। सीमा पार से आए आतंकियों ने पहलगाम में निहत्थे पर्यटकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर मौत की नींद सुला दिया। आतंकियों ने लोगों से धर्म और नाम पूछ कर 26 पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद पूरे देश भर में आक्रोश फैल गया। हमले की कई हृदयविदारक तस्वीरें सामने आईं। कहीं तीन साल का बच्चा अपने पिता के लहूलुहान शव पर बैठा रो रहा है तो कहीं भारतीय नौसेना के एक अधिकारी की नवविवाहिता मृत पति के शव के पास अकेली असहाय बैठी नजर आई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद उपजे आक्रोश को देखते हुए भारत सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। केंद्र ने कुछ कूटनीतिक कदम उठाए। इनमें सबसे अहम है सिंधु जल संधि को स्थगित करना। इसके अतिरिक्त, राजनयिक उपस्थिति न्यूनतम करने, पाकिस्तानियों के वीजा रद करने और अटारी-वाघा सीमा बंद करने का निर्णय भी लिया गया। पहलगाम के बाद भारत का धैर्य अपनी सीमा को पार कर गया। जिसके बाद यह कड़ा कदम उठाना पड़ा। भारत की प्रतिक्रिया और गतिविधियों से पाकिस्तान में डर का माहौल है। वहां सर्जिकल या एयर स्ट्राइक जैसी किसी कार्रवाई की अटकलें लगाई जा रही हैं। भारत ने अपने राफेल विमान युद्धाभ्यास में उतार दिए हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। मोदी सरकार ने सभी दलों की बैठक बुलाकर चर्चा की है। पीएम मोदी ने कहा- आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे। वहीं रूस की मीडिया का कहना है कि दो न्यूक्लियर देशों के बीच कुछ बड़ा होने वाला है। भारत बदले में कार्रवाई जरूर करेगा। ये एक छिपा मिशन या खुली लड़ाई भी हो सकती है। जिसका मकसद आतंकियों को खत्म करना, हमला बालाकोट एयरस्ट्राइक से भी ज्यादा बड़े स्तर का हो सकता है।

दिन मंगलवार, तारीख 22 अप्रैल साल 2025। उस दिन उत्तर भारत भीषण गर्मी से कराह रहा था। लेकिन घाटी में मौसम कूल था। कश्मीर के पहलगाम का बैसरन मैदान जिसे भारत में मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है जो पर्यटकों से गुलजार था। देश के कई राज्यों से आए सैकड़ों सैलानी पहलगाम के इस हरे-भरे मैदान में अद्भुत नजारों और वादियों का लुत्फ उठा रहे थे। सैलानियों में कई पति-पत्नी, बच्चे मैदान में खेल रहे थे भाग रहे थे। मंगलवार दोपहर 2:30 बजे तक सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था। लेकिन कुछ देर बाद ही हंसते-खेलते, मस्ती करते सैकड़ों पर्यटकों में डर, दहशत के साथ चीख पुकार मच गई। पल भर में ही पहलगाम का यह हरा-भरा मैदान खून से लथपथ हो गया । पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर ही नहीं बल्कि भारत की धरती को लहूलुहान कर दिया। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने पहलगाम में निहत्थे पर्यटकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर मौत की नींद सुला दिया। आतंकियों ने लोगों से धर्म और नाम पूछ कर 26 पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद पूरे देश भर में आक्रोश फैल गया। भारत के कई शहरों में आतंकवादी और पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए गए। प्रदर्शन कर रहे देशवासियों का कहना था कि इस बार पाकिस्तान से आर-पार होनी चाहिए। यह कोई पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने भारत पर सीधा अटैक किया है। आजादी के समय से ही यह पड़ोसी भारत पर आतंक और उन्माद फैलाता रहा है। इस देश का जन्म ही भारत से नफरत के साथ शुरू हुआ था, जो आज भी जारी है। लेकिन इस बार यह पड़ोसी बेगुनाह भारतीयों की हत्या कर बड़ी गलती कर बैठा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि पाकिस्तान ने इस वारदात को उसे समय अंजाम दिया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने ऑफिशियल यात्रा के दौरान भारत आए थे। पहलगाम अटैक के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दो दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब में थे। अटैक के एक दिन पहले 21 अप्रैल को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और तीन बच्चों के साथ राजधानी दिल्ली पहुंचे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति अपने परिवार को भारत की शांति, एकता, सांस्कृतिक और विरासत से परिचय कराने आए थे। दिल्ली एयरपोर्ट पर जब उपराष्ट्रपति उतरे तब वह अपने दोनों बेटों को भारतीय परिधान (कुर्ता और पजामा) पहना कर लाए थे। दिल्ली में

26 सैलानियों की हत्या के बाद देश में गुस्सा, अमित शाह घाटी पहुंचे, पीएम मोदी विदेश दौरा छोड़ लौट

पहलगाम अटैक के बाद पूरे देश गुस्से से भर गया। 14 फरवरी साल 2019 को सीआरपीएफ जवानों पर हुए अटैक के बाद आतंकियों ने घाटी में सबसे बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। कायराना हरकत करते हुए आतंकवादियों ने सीधे सैलानियों को निशाना बनाया। आतंकियों ने घाटी घूमने आए 26 निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया। घटना के बाद जो वीडियो आए हैं वह पूरे देश को झकझोर गए। घटनास्थल पर बहुत ही खौफनाक मंजर दिखाई दिया। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि आतंकियों ने कितनी बेरहमी से लोगों को गोली से छलनी किया गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगलवार रात ही श्रीनगर पहुंचे। अमेरिका, ईरान, रूस, इटली, यूएई सहित अन्य देशों ने पहलगाम हमले की निंदा की है। पहलगाम हमले पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा कि कश्मीर से बहुत परेशान करने वाली खबर आई है। आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ अमेरिका मजबूती से खड़ा है। हम मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और घायलों के स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और भारत के अविश्वसनीय लोगों को हमारा पूरा समर्थन और गहरी सहानुभूति है। हमारी संवेदनाएं आप सभी के साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दो दिन दौरा छोड़ बुधवार सुबह भारत लौट आए। पीएम मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के साथ द्विपक्षीय बैठक में शामिल होने के बाद बाकी कार्यक्रम छोड़ कर देश वापस लौटे आये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, एनएसए अजीत डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और अन्य अधिकारियों के साथ एयरपोर्ट पर ही एक बैठक की। पीएम मोदी ने सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, लेकिन आधिकारिक रात्रिभोज में शामिल नहीं हुए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने अपने परिवार के साथ अक्षरधाम मंदिर देखा। शाम को जेडी वेंस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर रात्रि भोज में भी शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति के बच्चों को मोर पंख भी भेंट किए। वहीं 21 अप्रैल को रात को ही उपराष्ट्रपति अपने परिवार के साथ जयपुर के लिए प्रस्थान कर गए। पीएम मोदी 22 अप्रैल की सुबह दो दिवसीय दौरे पर सऊदी अरब के लिए राजधानी दिल्ली से सुबह रवाना हो गए। उसी दिन पाकिस्तान ने घाटी को फिर अशांत कर दिया। जब पहलगाम आतंकी हमला हुआ उस दिन अमेरिकी उपराष्ट्रपति जयपुर में थे। वह अपने परिवार को भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक दिखाने लाए थे लेकिन यहां पहलगाम में आतंकियों के नरसंहार से जेडी वेंस भी आक्रोश से भर गए। 4 दिन के दौरे पर आए अमेरिकी उपराष्ट्रपति अपने निर्धारित समय से कुछ घंटे पहले ही लौट गए। आतंकियों ने हत्या करने से पहले पुरुष पर्यटकों से पता किया कि वे हिंदू हैं अथवा मुसलमान? पुरुष पर्यटकों के कपड़े उतार कर यह पुष्ट किया कि वे मुस्लिम तो नहीं हैं। कुछ पर्यटकों से कलमा सुनाने की भी मांग की गई और उसे सुनाने में असमर्थ लोगों की हत्या उनकी पत्नी और बच्चों के सामने ही कर दी गई। इस आतंकी हमले की कई हृदयविदारक तस्वीरें सामने आई। कहीं तीन साल का बच्चा अपने पिता के लहूलुहान शव पर बैठा रो रहा है तो कहीं भारतीय नौसेना के एक अधिकारी की नवविवाहिता अपने मृत पति के शव के पास अकेली असहाय बैठी नजर आई। पाकिस्तान को इस दुस्साहस की कीमत तो चुकानी होगी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद उपजे आक्रोश को देखते हुए भारत सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में कुछ कूटनीतिक कदम उठाए गए हैं। इनमें सबसे अहम है सिंधु जल संधि को स्थगित करना। इसके अतिरिक्त, राजनयिक उपस्थिति न्यूनतम करने, पाकिस्तानियों के वीजा रद करने और अटारी-वाघा सीमा बंद करने का निर्णय भी लिया गया है। पहलगाम के बाद भारत का धैर्य अपनी सीमा को पार कर गया, जिसके बाद यह कड़ा कदम उठाना पड़ा। भारत की प्रतिक्रिया और गतिविधियों से पाकिस्तान में डर का माहौल स्पष्ट दिख रहा है। वहां सर्जिकल या एयर स्ट्राइक जैसी किसी कार्रवाई की अटकलें लगाई जा रही हैं। भारत ने अपने राफेल विमान युद्धाभ्यास में उतार दिए हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। मोदी सरकार ने सभी दलों की बैठक बुलाकर चर्चा की है। रूस की मीडिया का कहना है कि दो न्यूक्लियर देशों के बीच कुछ बड़ा होने वाला है। भारत बदले में कार्रवाई जरूर करेगा। ये एक छिपा मिशन या खुली लड़ाई भी हो सकती है। जिसका मकसद आतंकियों को खत्म करना, पाकिस्तान पर कूटनीतिक दबाव और आतंकी नेटवर्क को नष्ट करना होगा। हमला बालाकोट एयरस्ट्राइक से भी ज्यादा बड़े स्तर का हो सकता है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों की सरकारों ने भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की है और एक स्वर से इस आतंकी हमले की निंदा की है।

पाकिस्तान को बख्शने के मूड में नहीं भारत

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान को बख्शने के मूड में नहीं है। पाकिस्तान की सरकार और आर्मी भी जानती है कि भारत जवाबी हमला (एयर स्ट्राइक) जरूर करेगा। केंद्र सरकार के कड़े रवैये के बाद पाकिस्तान में दहशत का माहौल है। भारत सरकार ने बुधवार को पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक साद अहमद वार्राइच को तलब कर उन्हें एक औपचारिक 'पर्सोना नॉन ग्राटा' नोट सौंपा। पर्सोना नॉन ग्राटा का मतलब है कि किसी राजनयिक या विदेशी व्यक्ति को किसी विशेष देश में प्रवेश या रहने से मना करना। भारत ने पाकिस्तान के सैन्य राजनयिकों को ये नोट थमाया है, जिसके बाद उन्हें एक सप्ताह के अंदर भारत छोड़ना होगा। ये फैसले प्रधानमंत्री आवास में कैबिनेट बैठक में लिए गए। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल शामिल हुए। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर में थे। मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ 5 बड़े फैसले लिए हैं। जिसमें भारत-पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौता सस्पेंड कर दिया गया। अटारी बॉर्डर को बंद कर दिया गया है। भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को इस

पहलगाम में हुई आतंकी घटना का उत्तराखंड में आक्रोश, सीएम धामी ने श्रद्धांजलि दी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों की गोलियों से मारे गए निर्दोष सैलानियों को देशभर में श्रद्धांजलि दी गई। उत्तराखंड में भी धामी सरकार ने आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी है। सीएम आवास में आयोजित बैठक में दो मिनट का मौन रखकर सभी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस शोक सभा में शासन के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, उत्तराखण्डवासियों की ओर से मैं शोक संतप्त परिवारों के साथ अपनी पूरी संवेदना प्रकट करता हूं। यह कायराना हमला केवल निर्दोष लोगों पर नहीं, बल्कि हमारे देश की संस्कृति, शांति और मानवता के मूल्यों पर भी हमला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकियों की जम्मू-कश्मीर को अशांत करने की कोशिश कभी सफल नहीं होंगी। इस कुकृत्य का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उत्तराखंड में हाई अलर्ट जारी किया गया। खासकर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र में अलर्ट जारी कर चेकिंग के निर्देश दिए गए हैं। डीजीपी के निर्देश के बाद देहरादून एसएसपी अजय सिंह फोर्स के साथ ग्राउंड जीरो पर उतरे। जिन्होंने जिले के अलग-अलग स्थान पर जाकर सघन चेकिंग अभियान चलाया।

रास्ते से लौटने के लिए 27 मई तक का वक्त दिया गया है। पाकिस्तानी नागरिक अब भारत दौरा नहीं कर सकेंगे। सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद किया गया। दोनों हाई कमीशन में तैनात कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 की गई।

साढ़े तीन दशक बाद कश्मीरियों का सड़क पर गुस्सा

कश्मीरी लोगों को भी अब समझ में आ गया है कि आतंकी घटनाएं उन्हें कितना पीछे ले जा रही हैं। जम्मू कश्मीर में लगातार हो रहे आतंकी हमले ने राज्य की अर्थव्यवस्था भी बदहाल कर रखी है। ऐसा नहीं है कि घाटी में आतंकियों से बाहरी राज्यों के लोग डरते हैं बल्कि यहां रहने वाले भी खुलकर जिंदगी नहीं जी पा रहे हैं। गर्मियों के सीजन में कश्मीर पर्यटकों से गुलजार रहता है। इस राज्य की कमाई का सबसे बड़ा साधन भी पर्यटन उद्योग है। लाखों की संख्या में कश्मीरी युवा बेरोजगार हैं। कश्मीर के हजारों युवा भी पर्यटन उद्योग में लगे हुए हैं। लेकिन दहशतगर्दों ने घाटी के लोगों की रोजी-रोटी पर भी संकट खड़ा कर दिया है। तब यहां के स्थानीय लोगों को भी समझ में आ गया है कि और यही हाल रहा तो आर्थिक संकट और गहरा जाएगा। घाटी के लोगों का भी अब आतंक फैलाने वाले ऐसे दहशतगर्तों के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले के जवाब में बुधवार को पूरे कश्मीर में बंद और विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देने और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संदेश देने के लिए बंद बुलाया गया। दुकानदारों और होटल व्यवसायियों ने बुधवार 23 अप्रैल को पहलगाम में विरोध मार्च निकाला और 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' और 'मैं भारतीय हूं' के नारे लगाए। आतंक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में कश्मीरी लोगों ने कहा वे हमले के खिलाफ सेना की जवाबी कार्रवाई में पूरी तरह से उनके साथ हैं। अगर हमारी जरूरत है, तो हम पूरी तरह से सेना के साथ हैं। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम अंदर से आहत हैं। हम इंसान हैं। यह सिर्फ पैसे या व्यापार की बात नहीं है। कल मारे गए 26 निर्दोष लोग सबसे बड़ी क्षति हैं। कश्मीर और कश्मीरी दूसरे नंबर पर हैं। यह पिछले 35 वर्षों में पहली बार हुआ, जब कश्मीर घाटी में आतंकवाद के खिलाफ इस प्रकार का एकजुट और शांतिपूर्ण बंद देखा गया। समाज के हर तबके, व्यापारी, छात्र, सामाजिक संगठन, आम नागरिक ने सड़कों पर उतरकर इस बर्बरता की निंदा की। कश्मीर में पिछले कुछ वर्षों से जो पर्यटकीय रौनक लौटी थी, वह एकदम सन्नाटे में बदल गई। बंद दुकानों, खाली सड़कों और मातम में डूबी घाटी ने इस हमले की विभीषिका को बयां किया। यह हमला न केवल मानवीय त्रासदी है, बल्कि स्थानीय पर्यटन-आधारित अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ा झटका है, जो हाल के वर्षों में धीरे-धीरे गति पकड़ रही थी। जम्मू और कश्मीर की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का बहुत बड़ा योगदान है। घाटी में आतंकवाद के साथ लंबे संघर्ष के बाद शांति आई थी और पिछले कुछ सालों में पर्यटकों की भीड़ उमड़ रही थी, यह हमला शायद समय को पीछे ले जाएगा। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम में हुए हमले के विरोध में कई राजनीतिक दलों, सामाजिक-धार्मिक संगठनों, व्यापार निकायों और नागरिक समाज समूहों ने कश्मीर में बंद का आहवान किया। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और अपनी पार्टी उन राजनीतिक संगठनों में शामिल हैं जिन्होंने हमले के विरोध में बंद का समर्थन किया। पहलगाम हमले के बाद कश्मीर घूमने आए हजारों पर्यटक लौट गए। पर्यटकों का कहना था कि कश्मीर में डर का माहौल बना हुआ है, जिससे वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा- आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बिहार के मधुबनी पहुंचे। मधुबनी में मंच से संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और पाकिस्तान के साथ आतंकियों को भी सख्त लहजे में चेतावनी दी। पीएम मोदी ने कहा 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम लोगों को जिस बेरहमी से मारा है उससे कोटि-कोटि देशवासी दुखी है। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन घायलों को अभी इलाज चल रहा है वो जल्द स्वस्थ हो इसके लिए भी सरकार प्रयास कर रही है। साथियों इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने अपना भाई खोया तो किसी ने अपना जीवन साथी खोया है। उनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी था, कोई ओड़िया था, कोई गुजरात था तो कोई यहां बिहार का लाल था। अब

पहलगाम हमले को लेकर केंद्र ने माना सुरक्षा में चूक हुई

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में केंद्र सरकार ने माना है कि सुरक्षा में चूक हुई है। इसके बावजूद कांग्रेस में तमाम विपक्षी दलों के नेताओं ने केंद्र सरकार के साथ इस मुश्किल घड़ी में खड़े होने का अपना समर्थन भी दिया है। गुरुवार देर रात केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। जिसमें सभी दलों के नेता शामिल हुए। आईबी, गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने घटना के बारे में जानकारी दी, घटना कैसे हुई और कहां चूक हुई। इस दौरान सभी दलों ने सरकार को अपना पूर्ण समर्थन दिया। और कहा कि सभी विपक्षी दल सरकार की कार्रवाई के साथ खड़े हैं। साथ ही विपक्ष ने आतंकवाद के खिलाफ केंद्र के हर फैसले का समर्थन करने की प्रतिबद्धता जताई। बैठक में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस जयशंकर, भाजपा नेता किरेन रिजिजू, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी और अन्य प्रमुख नेता शामिल हुए। बैठक में शामिल हुए रिजिजू ने कहा कि केंद्र ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर दिया और इस संबंध में सख्त कार्रवाई करने की मंशा जताई। रिजिजू ने कहा कि पिछले कई सालों से कश्मीर के लोग अपना कारोबार कर रहे थे, पर्यटक आ रहे थे और सब कुछ ठीक चल रहा था। इस घटना ने उस शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ दिया है और सभी ने इस पर अपनी चिंता व्यक्त की है। सभी राजनीतिक दलों ने अपने विचार साझा किए और इस बात पर आम सहमति बनी कि देश को एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ एक स्वर में बोलना चाहिए। केंद्र द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमने इस कृत्य की एकमत से निंदा की है। विपक्ष ने सरकार को कोई भी कार्रवाई करने के लिए अपना पूरा समर्थन दिया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम सभी ने आतंकी हमले की निंदा की। हमने कश्मीर में शांति लाने के लिए अपनी चिंता जताई और कहा कि हम सभी को इसके लिए प्रयास करने की जरूरत है। वहीं एआईएमआईएम चीफ व लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवेसी भी हैदराबाद से दिल्ली पहुंचे। उन्होंने मीडिया को बताया कि गृह मंत्री ने उन्हें निजी तौर पर फोन कर मीटिंग में जरूर आने की बात कही थी। उनके अलावा, एनसीपी-एससी की सुप्रिया सुले, एसपी के रामगोपाल यादव, आरजेडी से मीसा भारती, डीएमके से तिरुपचि शिवा मौजूद थे।

समय आ गया है कि आतंकियों को मिट्टी में मिला दिया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में पहलगाम आतंकी हमले पर देश के दुश्मनों को चेतावनी देते हुए कहा, मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि इन आतंकियों को और इस हमले की साजिश करने वालों को उनकी कल्पना से बड़ी सजा मिलेगी, सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी।

भारत के जवाब में पाकिस्तान की भी गीदड़भभकी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी या खुलकर सामने आ गई है। कैबिनेट की बैठक में मोदी सरकार ने पाकिस्तान को लेकर कड़े फैसले लिए। भारत सरकार के लिए गए फैसलों के विरोध में पाकिस्तान ने भी भारत को धमकी दी है। गुरुवार को पाकिस्तान में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक के बाद पाक की मुहम्मद शहबाज शरीफसरकार ने कई बड़े फैसलों का एलान किया। इसमें भारत के साथ व्यापार पर रोक, वाघा बार्डर को बंद करना, भारतीय विमानों के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर रोक का फैसला लिया है। पाकिस्तान ने भी साल 1972 के शिमला समझौते से हटने का फैसला लिया। पाकिस्तान ने भारत के साथ शिमला समझौता तोड़ने की बात कही। भारतीय उड़ानों के लिए पाकिस्तान ने अपना एयरस्पेस रोक दिया है, साथ ही भारत से सभी तरह के कारोबार पर रोक लगा दी। पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले को 'खारिज' किया और कहा कि यह 24 करोड़ पाकिस्तानियों के लिए जीवन रेखा है।

भारत सरकार ने पाकिस्तान को सबक

1972 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था शिमला समझौता

पाकिस्तान साल 1972 के शिमला समझौते से पीछे हट गया है। शिमला समझौता 2 जुलाई 1972 को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान की जुल्फिकार अली भुट्टो सरकार ने किया था। शिमला समझौता 1971 के युद्ध में पाकिस्तान की करारी हार के बाद हुआ था, जिसके नतीजे में बांग्लादेश बना। इस युद्ध के बाद पाकिस्तान के हजारों सैनिक और 5 हजार वर्ग मील का भूमि क्षेत्र भारत के कब्जे में था। इसी पर बातचीत के लिए भुट्टो शिमला आए थे। साल 1972 में हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में ये समझौता हुआ था। इंदिरा गांधी और जुल्फिकार अली भुट्टो ने 2 जुलाई को इस डील से जुड़े दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसीलिए इसे शिमला समझौता कहा जाता है। शिमला समझौता के तहत दोनों देश शांतिपूर्ण तरीकों से आपसी बातचीत के जरिये या दूसरे शांतिपूर्ण तरीके अपनाते हुए अपने मतभेदों को आपसी सहमति से हल करने की प्रतिबद्धता पर सहमत हुए थे। शिमला समझौते में कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान के सुरक्षा बल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अपनी-अपनी तरु वापस चले जाएंगे और कोई भी पक्ष एलओसी की स्थिति को एकतरफा रूप से बदलने की कोशिश नहीं करेगा। पाकिस्तान ने 1999 में शिमला समझौते का उल्लंघन किया था, जब पाकिस्तानी सैनिक जम्मू और कश्मीर के भारतीय क्षेत्र में घुस गए थे। इसके बाद भारत ने पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ने के लिए ऑपरेशन शुरू किया था, इसे कारगिल युद्ध के तौर पर जाना जाता है। पाकिस्तान की ओर से पहल भी कुछ मौकों पर शिमला समझौते को लेकर सवाल उठाए गए थे। इस दफा पाकिस्तान ने शिमला समझौते से बाहर आने का फैसला ले लिया है।

सिखाने के लिए शुरू की तैयारियां

भारत सरकार के जल संसाधन मंत्रालय के सचिव देबाशीष मुखर्जी ने पाकिस्तान को पत्र भेजकर सूचित किया है कि 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है। भारत ने गुरुवार दोपहर आईएनएस सूरत युद्धपोत से मिसाइल की टेस्टिंग की। टेस्टिंग सफल रही। सतह से समुद्र पर हमला करने का सफल परीक्षण किया गया। वायुसेना युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। इसे आक्रमण नाम दिया गया है। इसमें अंबाला (हरियाणा) और हाशीमारा (पश्चिम बंगाल) की दो राफेल स्क्वॉड्रन हिस्सा लेंगी। विदेश मंत्रालय ने जर्मनी, जापान समेत कई देशों के राजदूतों को बुलाया। बैठक में पहलगाम हमले की जानकारी दी। रूसी मीडिया रशिया टुडे ने मौजूदा हालातों को देखते हुए दावा किया है कि भारत कुछ बड़ा करने वाला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें पहलगाम हमले की जानकारी दी। भारत सरकार के अटारी बॉर्डर बंद करने के एलान के बाद वीजा लेकर भारत आए पाकिस्तानी नागरिक पंजाब के अटारी चेक पोस्ट से वापस लौटना शुरू गए। केंद्र सरकार ने पाकिस्तान सरकार के एक्स हैंडल को भारत में बैन कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एडवाइजरी जारी करके अपने नागरिकों को जम्मू-कश्मीर न जाने की सलाह दी है।

दोनों देशों के बीच आवाजाही और व्यापार का मुख्य रास्ता है अटारी बॉर्डर

अटारी बॉर्डर ही एकमात्र जमीनी रास्ता है जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार होता है। भारत इस रास्ते से पाकिस्तान को सोयाबीन, मुर्गे का दाना, सब्जियां, प्लास्टिक के दाने, प्लास्टिक का धागा और लाल मिर्च जैसी चीजें भेजता है। अटारी, जो अमृतसर से सिर्फ 28 किलोमीटर दूर है, भारत का पहला लैंड पोर्ट है और पाकिस्तान के साथ व्यापार का एकमात्र जमीनी रास्ता है। ये पोर्ट 120 एकड़ में फैला है और सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग-1 से जुड़ा हुआ है। अटारी चेक पोस्ट ना सिर्फ भारत-पाकिस्तान व्यापार में बल्कि अफगानिस्तान से आने वाले सामानों के आयात में भी अहम भूमिका निभाता है। अटारी-वाघा कॉरिडोर से हर साल व्यापार और यात्रियों की आवाजाही रहती है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भारत में सूखे मेवे, सूखे खजूर, जिप्सम, सीमेंट, कांच, सेंधा नमक और तरह-तरह की जड़ी-बूटियां आती हैं। इस दौरान भारत के लोग भी काफी परेशान दिए दिखाई दिए। ऐसे लोग जिन्हें पाकिस्तान में रह रहे अपने रिश्तेदारों के यहां शादी-ब्याह या उनका हाल जानने के लिए जाना था उन्हें भी बीएसएफ के द्वारा वापस भेजा जा रहा था। क्योंकि भारत सरकार ने बॉर्डर बंद कर दिया है ऐसे में भारतीय पासपोर्ट वाले ऐसे भारतीय लोग जिन्हें पाकिस्तान एंबेसी से वीजा तो मिल गया है। उन्हें अब अटारी बॉर्डर से भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं है। अटारी बॉर्डर पर कुछ ऐसे भारतीय भी थे जोकि धार्मिक यात्रा पर भारत से पाकिस्तान गए थे, लेकिन बॉर्डर बंद होने की जानकारी मिलने के बाद वो लोग भी अपनी यात्रा को बीच में ही खत्म करके वापस लौट रहे हैं। भारत से पाकिस्तान की और जाने वाले और पाकिस्तान से भारत में लौट रहे लोग परेशान दिखाई दिए।

अटारी बॉर्डर पर अपने-अपने वतन लौटने की भारत-पाक के नागरिकों की भीड़

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बॉर्डर पर दोनों देशों के नागरिकों की अपने-अपने वतन लौटने की भीड़ देखी जा सकती है। पाकिस्तानी नागरिक भारत में अपनों का इलाज कराने आए थे वह भी लौट चुके हैं। शनिवार को अटारी-वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तानियों का स्वदेश लौटना जारी रहा। बॉर्डर पर दोनों देशों के नागरिक एक दूसरे को छोड़ने आ रहे हैं। इस दौरान भारत और पाकिस्तान के नागरिकों की अपनों को विदा करते समय आंखें भी नम दिखाई दी। पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए 27 अप्रैल तक समय दिए जाने के बाद पंजाब के अमृतसर में अटारी-वाघा सीमा चौकी मार्ग से कुल 191 पाकिस्तानी नागिरक स्वदेश लौटे। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान गए कुल 287 भारतीय नागरिक भी पड़ोसी मुल्क से वापस लौट आए हैं। अटारी एकीकृत चेक पोस्ट बुधवार को ही बंद कर दी गई। जिन लोगों ने अनुमोदन के साथ सीमा पार की है, उन्हें 1 मई से पहले उस रास्ते से लौटने की अनुमति है। वहीं सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अटारी, हुसैनीवाला और सादकी में रिट्रीट समारोह के दौरान औपचारिक प्रदर्शन को कम करने का एक सुनियोजित निर्णय लिया। प्रमुख बदलावों में भारतीय गार्ड कमांडर और समकक्ष गार्ड कमांडर के बीच प्रतीकात्मक हाथ मिलाने की प्रक्रिया को निलंबित करना भी शामिल है। समारोह के दौरान गेट बंद रहेंगे। बीएसएफ ने कहा कि यह कदम सीमा पार दुश्मनी पर भारत की गंभीर चिंता को दर्शाता है। शांति और उकसावे एक साथ नहीं रह सकते। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को फोन किया और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक देश छोड़ने के लिए निर्धारित समय सीमा से आगे भारत में न रहे। भारत ने गुरुवार को 27 अप्रैल से पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद करने की घोषणा की थी और पाकिस्तान में रहने वाले भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द घर लौटने की सलाह दी थी। मुख्यमंत्रियों को यह भी कहा गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें और उनका निर्वासन सुनिश्चित करें।

भारत ने जवाबी कार्यवाही में पाकिस्तान पर लगाया प्रतिबन्ध, ढहाये आतंकियों के घर!

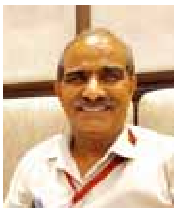

डॉ श्रीगोपाल नारसन
एडवोकेट

नई दिल्ली में हुई सर्वदलीय बैठक में सरकार ने माना कि पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा में चूक हुई है और यह कहा कि प्रशासन को इस बात की जानकारी नहीं दी गई थी कि पर्यटकों को बैसरन ले जाया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि पैसे के लालच में टूर ऑपरेटर और होटल मालिक प्रशासन को बताए बगैर ही पर्यटकों को लेकर बैसरन तक चले गए थे। सर्वदलीय बैठक में सरकार की ओर से बताया गया कि पहलगाम हमला घाटी में माहौल खराब कराने के मकसद से किया गया था, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य होने की वजह से अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही थी और पर्यटन क्षेत्र लगातार आगे बढ़ रहा था। जिस पर इस हिंसक घटना से कुछ समय के लिए विराम लग गया है। सरकार की माने तो पहलगाम में सैनिक मौजूद थे, लेकिन उन्हें वहां पर तैनात नहीं किया गया था, क्योंकि स्थानीय अधिकारियों को पर्यटकों को बैसरन ले जाने को लेकर कोई जानकारी ही नहीं थी। वही पुलवामा में सक्रिय आतंकवादी के घरों को भारतीय सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया है। इस कार्रवाई में घाटी के अंदर सक्रिय आतंकियों के दो और घरों को ध्वस्त कर दिया गया है। जून 2023 से लश्कर के सक्रिय कैडर एहसान अहमद शेख के दो मंजिला घर को सुरक्षा बलों ने आईईडी का उपयोग करके उड़ा दिया है, वह पुलवामा के मुर्रान का रहने वाला है। ऐसी ही एक अन्य कार्रवाई में 2 साल पहले लश्कर में शामिल हुए शाहिद अहमद के घर को शोपियां के चोटीपोरा इलाके में विस्फोट कर उड़ा दिया गया है। पहलगाम हमले के बाद से कुल 6 आतंकियों के घरों को ध्वस्त किया जा चुका है। आदिल थोकर उर्फ आदिल गुरी के रूप में पहचाने जाने वाले इस आतंकी जिसका घर ध्वस्त किया गया, पर पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए हमले की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में पाकिस्तानी आतंकवादियों की मदद करने का आरोप है।

इस हमले में शामिल दूसरे स्थानीय आतंकी आसिफ शेख के त्रल स्थित घर को जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बुलडोजर से गिरा दिया है। सैन्य सूत्रों ने बताया कि स्टील टिप वाली गोलियों, एके-47 राइफलों और बॉडी कैमरा पहने हुए लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के चार आतंकवादियों के एक समूह ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों के बीच हिंदुओं को निशाना बनाया और उन पर गोलियों की बौछार कर दी, इस आतंकी हमले में 28 लोगों की जान गई, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे और भारत के अलग-अलग राज्यों से जम्मू-कश्मीर घूमने गए हुए थे। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुआ चरमपंथी हमला सन 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुआ सबसे घातक हमला माना जा रहा है, जिसमें 28 भारतीय पर्यटक मारे गए है। मारे जाने वाले लोगों में कोई सैनिक या अधिकारी नहीं थे, बल्कि भारत की सबसे खूबसूरत घाटी में घूमने आए वे पर्यटक थे, जो यहां अपनी खुशी ढूंढने आए थे, लेकिन बदले में उन्हें मौत मिल गई। पूरे कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान दोनों दावा करते हैं, जम्मू कश्मीर के अलग-अलग हिस्से पर दोनों का शासन भी है, लेकिन तनाव फिर भी कभी खत्म नही हुआ और धरती का स्वर्ग कहा जाने वाला कश्मीर हिंसा की धरती बनकर रह गया है। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने कई जवाबी क़दम उठाए हैं, जिनमें मुख्य रूप से बॉर्डर क्रासिंग अटारी को बंद करना, पाकिस्तान के साथ महत्वपूर्ण सिंधु जल संधि को निलंबित करना और पाकिस्तानी राजनयिकों को देश से निकालना शामिल है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उक्त हमले पर 'कड़ी कार्रवाई' करने की बात कही है और वादा किया है कि सिर्फ़ हमलावरों पर ही नहीं, बल्कि भारतीय धरती पर इस 'नापाक हरकत' के पीछे के साजिश रचताओ पर भी कार्रवाई होगी। जिससे देश को उम्मीद बंधी है कि 'हमें जल्दी ही कड़ी कार्रवाई देखने को मिल सकती है, जो भारतीय जनता को राहत और पाकिस्तान के लोगों के लिए कड़ा संदेश होगी।'

सितंबर 2016 में जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास हुए घातक हमले में 19 भारतीय सैनिकों की मौत हुई थी, इसके बाद भारत ने नियंत्रण रेखा के पार 'सर्जिकल स्ट्राइक' की थी और दावा किया था कि पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर में मौजूद चरमपंथियों के ठिकाने को निशाना बनाया गया। लेकिन शायद दुश्मन का फन उस समय पूरी तरह से नही कुचला गया तभी तो

सन 2019 में ही पुलवामा में हमला हो गया, जिसमें अर्द्धसैनिक बलों के 40 जवानों की मौत हो गई थी। इसके बाद भारत ने बालाकोट में कथित चरमपंथी कैंपों पर हवाई हमले किए थे। जिसे सन 1971 के बाद पहली बार भारत ने पाकिस्तान के अंदर तक हमला किया था। पाकिस्तान ने जंगी विमानों से इसका जवाब दिया और लड़ाकू विमानों के बीच संघर्ष में एक भारतीय पायलट को बंदी बना लिया था। इसमें दोनों तरफ़ से शक्ति प्रदर्शन किया गया, लेकिन पूर्ण युद्ध को टाल दिया गया। अब वर्तमान में भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम हमले के बाद तनाव बढ़ गया है। इस बीच भारतीय वायुसेना ने युद्धाभ्यास किया है। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सेना का एक्शन जारी है। हमले में आतंकी आसिफ शेख का नाम आया था, आतंकी आसिफ शेख का घर ब्लास्ट में उड़ा दिया गया। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में फिलहाल सन्नाटा पसरा हुआ है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद बॉर्डर पर तनाव बढ़ने के बाद अब सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी जल्द ही श्रीनगर और उधमपुर के लिए रवाना होंगे। वे कश्मीर घाटी में तैनात वरिष्ठ सेना कमांडरों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। जनरल उपेंद्र द्वि वेदी घाटी में चल रही सुरक्षा स्थिति और नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान सेना द्वारा युद्धविराम उल्लंघन की कोशिशों की समीक्षा भी करेंगे। पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा के पास कुछ जगहों पर गोलीबारी की है। भारतीय सेना ने इसका करारा जवाब भी

दिया है। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा में आतंकियों के होने की खबर के चलते अजास के बाजीपोरा के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चल रहा है। सर्च ऑपरेशन के दौरान गोलीबारी की आवाज सुनाई दी है। इस क्षेत्र में 1-2 आतंकवादियों के मौजूद होने की सूचना थी, जिनके अब भारतीय सेना के चंगुल में फंसने की संभावना है। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा, 'जैसा कि राष्ट्रपति ट्रम्प और सचिव रुबियो ने स्पष्ट किया है, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ खड़ा है। अमेरिका आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। हम मारे गए लोगों के लिए और घायलों के ठीक होने की प्रार्थना करते हैं और इस जघन्य कृत्य के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का आहवान करते हैं।' भारत ने पाकिस्तान को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल संधि स्थगित करने की जानकारी दी है। इसमें भारत ने कहा, समय के साथ जनसंख्या बदली है। जनसंख्या में बदलाव के साथ संधि में बदलाव जरूरी है। किसी संधि के लिए अच्छे रिश्ते जरूरी हैं। पाकिस्तान सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। पुलिस ने 13 आरआर और 3 बटालियन सीआरपीएफ के संयुक्त कर्रवाई करते हुए आतंकियों के तीन सहयोगियों को पकड़ा है। वे भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें हथियार व बारूद के साथ पकड़ लिया है। वही देश मे हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने सरकार से पूछा कि मदद प्रदान करने में इतना समय क्यों लगा? इस पर सरकार ने कहा कि 45 मिनट पैदल चलना पड़ता है, वहां पहुंचने में समय लगता है, कोई भी व्यवस्था नहीं थी। सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, सब कुछ सही है, फिर हम यहां क्यों बैठे हैं? जाहिर है कुछ गलत हुआ है। हम विपक्ष को सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताना चाहते है और आश्वासन देना चाहते हैं। विपक्षी दलों ने सुरक्षा चूक लेकर सवाल किया। सुरक्षा बल कहां थे? सीआरपीएफ कहां थी? जिस पर सरकार ने जवाब दिया कि स्थानीय अधिकारियों ने क्षेत्रों को खोलने से पहले सूचित नहीं किया, जबकि किया जाना चाहिए था, स्थानीय पुलिस को भी सूचित नहीं किया गया। यह आमतौर पर अमरनाथ यात्रा के दौरान जून में खुलता है, लेकिन स्थानीय टूर ऑपरेटरों ने इसे खोल दिया। सर्वदलीय बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा कि कश्मीर में शांति जरूरी है। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर सरकार के साथ खड़े होने की बात कही है। पाकिस्तान ने अपने फाइटर जेट को बलूचिस्तान से भारतीय सीमा पर तैनात किया तो भारतीय वायुसेना ने अपनी ताकत दिखाई। वायुसेना की सेंट्रल कमान (प्रयागराज हेडक्वार्टर) ने आक्रमण युद्धाभ्यास किया। युद्धाभ्यास में मिराज और सुखोई के अलावा राफेल फाइटर जेट ने हिस्सा लिया है। जो दुश्मन देश को कड़ा जवाब देने की कार्यवाही मानी जा रही है।

दस साल से ज्यादा आयु के बच्चे बैंकों में खोल सकेंगे खाता

भारतीय रिजर्व बैंक ने 10 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को खुद का बैंक अकाउंट खोलने और चलाने की इजाजत दी है। वे सेविंग और टर्म डिपॉजिट अकाउंट रख सकेंगे, साथ ही एटीएम, नेट बैंकिंग जैसी सुविधाएं भी मिल सकती हैं। आरबीआई ने कॉमर्शियल बैंकों और सहकारी बैंकों को जारी एक सर्कुलर में कहा कि किसी भी आयु के नाबालिगों को अपने प्राकृतिक या कानूनी अभिभावक के माध्यम से सेविंग और फिक्स्ड डिपॉजिट अकाउंट खोलने और ऑपरेट करने की अनुमति दी जा सकती है। जब बच्चा 18 साल का हो जाएगा तो बैंक को उससे नए साइन लेने होंगे। अगर अकाउंट अभिभावक चला रहे थे तो बैलेंस की पुष्टि की जाएगी। इसके अलावा अकाउंट होल्डर को नए नियमों की जानकारी भी दी जाएगी।

भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने 10 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को बैंकों में खाता खोलने के लिए बड़ी राहत दी है। केंद्रीय बैंक ने इस संदर्भ में नाबालिगों के जमा खाते खोलने और संचालन पर संशोधित निर्देश जारी किए हैं। वे सेविंग और टर्म डिपॉजिट अकाउंट रख सकेंगे, साथ ही एटीएम, नेट बैंकिंग जैसी सुविधाएं भी मिल सकती हैं। आरबीआई ने कॉमर्शियल बैंकों और सहकारी बैंकों को जारी एक सर्कुलर में कहा कि किसी भी आयु के नाबालिगों को अपने प्राकृतिक या कानूनी अभिभावक के माध्यम से सेविंग और फिक्स्ड डिपॉजिट अकाउंट खोलने और ऑपरेट करने की अनुमति दी जा सकती है। सर्कुलर के मुताबिक बैंक अपनी रिस्क मैनेजमेंट पॉलिसी को ध्यान में रखते हुए राशि और शर्त तय कर सकते हैं। इस बारे में जो भी नियम और शर्तें तय की जाती हैं, उस बारे में खाताधारक को जानकारी दी जाएगी। अगर अकाउंट अभिभावक चला रहे थे तो बैलेंस की पुष्टि की जाएगी। इसके अलावा अकाउंट होल्डर को नए नियमों की जानकारी भी दी जाएगी। मौजूदा समय में बैंकों में क्या है नियम। बैंक अकाउंट या टर्म डिपॉजिट अकाउंट पेरेंट्स के कंट्रोल में होता है, और बच्चे का नाम को-अकाउंट होल्डर के रूप में जोड़ा जाता है। 18 साल या इससे ज्यादा की उम्र होने पर बच्चे के नाम पर पूरी तरह से बैंक अकाउंट या टर्म डिपॉजिट अकाउंट ट्रांसफर किया जा सकता है। कुछ बैंक अभी भी स्पेशल बैंक अकाउंट स्कीम जैसे कि एसबीआई। पहला कदम खाता या एचडीएफसी किड्स एडवांटेज अकाउंट खोलने की सुविधा देते हैं।

इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम-डेबिट कार्ड, चेकबुक जैसी अतिरिक्त सुविधाएं मिलेंगी: बैंक अपनी नीति और ग्राहक उपयुक्तता के अनुसार नाबालिग खाताधारकों को इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड, चेकबुक जैसी अतिरिक्त सुविधाएं दे सकते हैं। हालांकि, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि नाबालिगों के खाते ओवरड्राफ्ट में न जाएं और सदैव क्रेडिट बैलेंस में बने रहें। बैंक को नाबालिगों के खाता खोलने के लिए ग्राहक पहचान प्रक्रिया (केवाईसी) के अंतर्गत आवश्यक जांच करनी होगी। बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि नाबालिगों के खाते, चाहे वे स्वतंत्र रूप से संचालित हों या अभिभावक के माध्यम से, उनसे अधिक निकासी न हो और इसमें हमेशा राशि रहे। बैंक नाबालिगों के जमा खाते खोलने के लिए ग्राहक की उचित जांच-पड़ताल करेंगे। केंद्रीय बैंक ने बैंकों से कहा है कि वे एक जुलाई, 2025 तक संशोधित दिशानिर्देशों के अनुरूप नई नीतियां बनाएं या मौजूदा नीतियों में संशोधन करें। इससे पहले आरबीआई ने इससे पहले एटीएम से पैसा निकालने के नियमों में भी बदलाव किया था। 1 मई से एटीएम से पैसा निकालने पर अब आपको ज्यादा चार्ज देना होगा। 1 मई से ग्राहकों को फ्री लिमिट पूरी हो जाने के बाद एटीएम से हर फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन के लिए एडिशनल 2 रुपए का भुगतान करना होगा। इस फीस हाइक की वजह से एटीएम से कैश निकालने के लिए हर ट्रांजैक्शन पर 19 रुपए चार्ज देना होगा, जो पहले 17 रुपए था।

चार धाम यात्रा के लिए धामी सरकार तैयार

चारधाम यात्रा का शुभारंभ तीन दिन बाद 30 अप्रैल से होगा, जिसमें 30 अप्रैल को ही गंगोत्री और यमनोत्री के कपाट खोले जाएंगे। वहीं 2 मई को केदारनाथ और तो 4 मई को बद्रीनाथ के कपाट खुलेंगे। हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को खुलेंगे। चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अभी तक चार धाम यात्रा के लिए 20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खुद नियमित तौर पर चारधाम की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए उत्तराखंड पुलिस अलर्ट।

तीन दिन बाद शुरू होने वाली उत्तराखंड चार धाम यात्रा के लिए धामी सरकार ने पूरी तैयारियां कर ली है। चारधाम यात्रा का शुभारंभ 30 अप्रैल से होगा, जिसमें 30 अप्रैल को ही गंगोत्री और यमनोत्री के कपाट खोले जाएंगे। वहीं 2 मई को केदारनाथ और तो 4 मई को बद्रीनाथ के कपाट खुलेंगे। हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को खुलेंगे। चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अभी तक चार धाम यात्रा के लिए 20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खुद नियमित तौर पर चारधाम की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। सीएम धामी ने बीते दिनों देहरादून में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में चारधाम यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया था। उन्होंने बताया था, हमारा लक्ष्य है कि उत्तराखंड आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को बिना किसी परेशानी के चारधाम के दर्शन कराए जाएं। इसके लिए यात्रा से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ लगातार संवाद किया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रदेश सरकार इस बार सुरक्षा पर भी पूरा फोकस किए हुए है। पिछले दिनों प्रदेश के डीजीपी दीपम सेठ के निर्देश पर पुलिस ने चेकिंग अभियान चला रखा है। इस बार चार धाम आने वाले तीर्थयात्री पुलिस के सुरक्षा के घेरे में भी रहेंगे। प्रदेश सरकार ने यात्रा के दौरान पुलिस को अलर्ट रहने के भी निर्देश जारी किए हैं। इसके साथ चार धाम आने वाले तीर्थ यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कमान संभाल रखी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश में चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप का निरीक्षण कर यात्रा तैयारियों को परखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रांजिट कैंप में तीर्थ यात्रियों को चारों धामों के के मौसम से जुड़ी जानकारियां उपलब्ध कराई जाएंगी। एलईडी स्क्रीन पर यात्रियों के लिए भजन, रामायण, महाभारत, चारधाम यात्रा के धार्मिक पहलुओं और आरती को दिखाया जाएगा। ऋषिकेश पहुंचे मुख्यमंत्री धामी एम्स हेलीपैड से सीधे यात्रा बस अड्डा स्थित ट्रांजिट कैंप पहुंचे। ट्रांजिट कैंप में यात्रियों के आफलाइन पंजीकरण आदि की व्यवस्था की गई है। सीएम धामी ने पंजीकरण कक्ष, यात्रा पूछताछ एवं सहायता केंद्र, चिकित्सालय, पुलिस सहायता केंद्र की व्यवस्था को देखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी चार धाम यात्रा से पहले ट्रांजिट कैंप में रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था को 24 घंटे चालू रखी जाए। उन्होंने कहा ट्रांजिट कैंप में पुलिस, परिवहन, नगर निगम, स्वास्थ्य, जल, पर्यटन, विद्युत, आदि विभागों का संयुक्त हेल्पडेस्क सिंगल विंडो सिस्टम के रूप में बनाया जाए, जिससे लोगों को एक ही स्थान पर सारी सुविधाएं उपलब्ध हो। उन्होंने कहा हमने श्रद्धालुओं का सहयोगी बनकर यात्रा को सफल बनाना है, जिससे हर श्रद्धालु की यात्रा सकुशल सम्पन्न हो एवं वे उत्तराखंड से यात्रा के अच्छे अनुभव लेकर जाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रांजिट कैंप में श्रद्धालुओं के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था हो एवं गर्मी से बचाव के लिए कूलर, स्वच्छ पेयजल, टीन शेड, कुर्सियों की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा ट्रांजिट कैंप स्थित अस्पताल में सभी प्रकार की दवाइयों की व्यवस्था और चिकित्सकों की तैनाती हो। उन्होंने कहा भीड़ प्रबंधन एवं ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष तौर पर एक्शन प्लान बनाकर प्राथमिकता से कार्य हो। उन्होंने अधिकारियों को ट्रांजिट कैंप में स्थापित रिसेप्शन में चारधाम यात्रा प्रचार सामग्री उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को चार धाम के साथ ही अन्य स्थलों के बारे में भी जानकारी दी जाए। उन्होंने ट्रांजिट परिसर में स्थापित खोया-पाया केंद्र को संपूर्ण यात्रा मार्गों से समन्वय बनाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा ट्रांजिट कैंप परिसर में उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए अलग से स्थान हो। उन्होंने कहा ट्रांजिट कैंप परिसर का चार धाम से संबंधित सभी जिलों में परस्पर समन्वय हो। मुख्यमंत्री ने ट्रांजिट कैंप के कार्यरत कर्मचारियों से भी मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा सभी कर्मचारियों के ऊपर चार धाम यात्रा की बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे निश्चित

ही सभी लोग बखूबी निभाएंगे। उन्होंने कहा हमने अपने व्यवहार से सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करना है ताकि वो यात्रा से अच्छा अनुभव लेकर जाएं। आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडेय ने बताया कि चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप में 24 काउन्टर के माध्यम से रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त रिजर्व टीम की तैनाती भी की गई है। यात्रा चिकित्सालय में 24 घंटे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। साथ ही पुलिस सहायता केंद्र में पुलिस द्वारा पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित किया गया है। यात्रा ट्रांजिट कैंप में मीडिया सेंटर की व्यवस्था की गई है। केंद्र में यात्री मित्र तैनात किये जाएंगे, जो यात्रियों को विभिन्न सुविधाओं/जानकारियां प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि विभिन्न एनजीओ एवं संगठनों द्वारा यात्रियों को निःशुल्क भोजन, जलपान एवं खाद्य सामग्री की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी एवं कैंटीन की व्यवस्था भी उपलब्ध होगी। पीने के पानी की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

चार धाम यात्रा की तैयारियों को परखने के लिए सात जिलों में 'मॉक ड्रिल' की गई

गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पर्व पर खुलने के साथ ही शुरू होने वाली इस वर्ष की चार धाम यात्रा की तैयारियों को परखने के लिए गुरुवार को यहां 'मॉक ड्रिल' की गई। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से चारधाम यात्रा के मद्देनजर सात जिलों में मॉक ड्रिल की गई। मॉक ड्रिल के जरिये विभिन्न विभागों की चारधाम यात्रा को लेकर तैयारियों को परखा गया। आपदा प्रबंधन विभाग की राज्य सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय कुमार रुहेला ने यहां बताया कि इस 'मॉक ड्रिल' का आयोजन उन सात जिलों में किया गया जहां से होकर श्रद्धालु चारधामों-बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री तक पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि इन जिलों में जमीनी स्तर पर तैयारियों को परखने के लिए यह अभ्यास किया गया। उन्होंने कहा कि 'मॉक ड्रिल' से यात्रा की तैयारियों को और अधिक मजबूत और पूर्णतया सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। 'मॉक ड्रिल' देहरादून, चमोली, उत्तरकाशी, टिहरी, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग और पौड़ी में की गयी। इसका आयोजन राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निकट पर्यवेक्षण में किया। रुहेला ने कहा कि 'मॉक ड्रिल' का उद्देश्य चारधाम यात्रा से जुड़े सभी विभागों को एक मंच पर लाना था ताकि यात्रा के दौरान किसी भी आपदा और आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि अभ्यास के दौरान विभिन्न विभागों के बीच अच्छा समन्वय दिखाई दिया हालांकि कुछ जगह कमियां भी मिलीं जिन्हें यात्रा शुरू होने से पहले दूर कर लिया जाएगा।

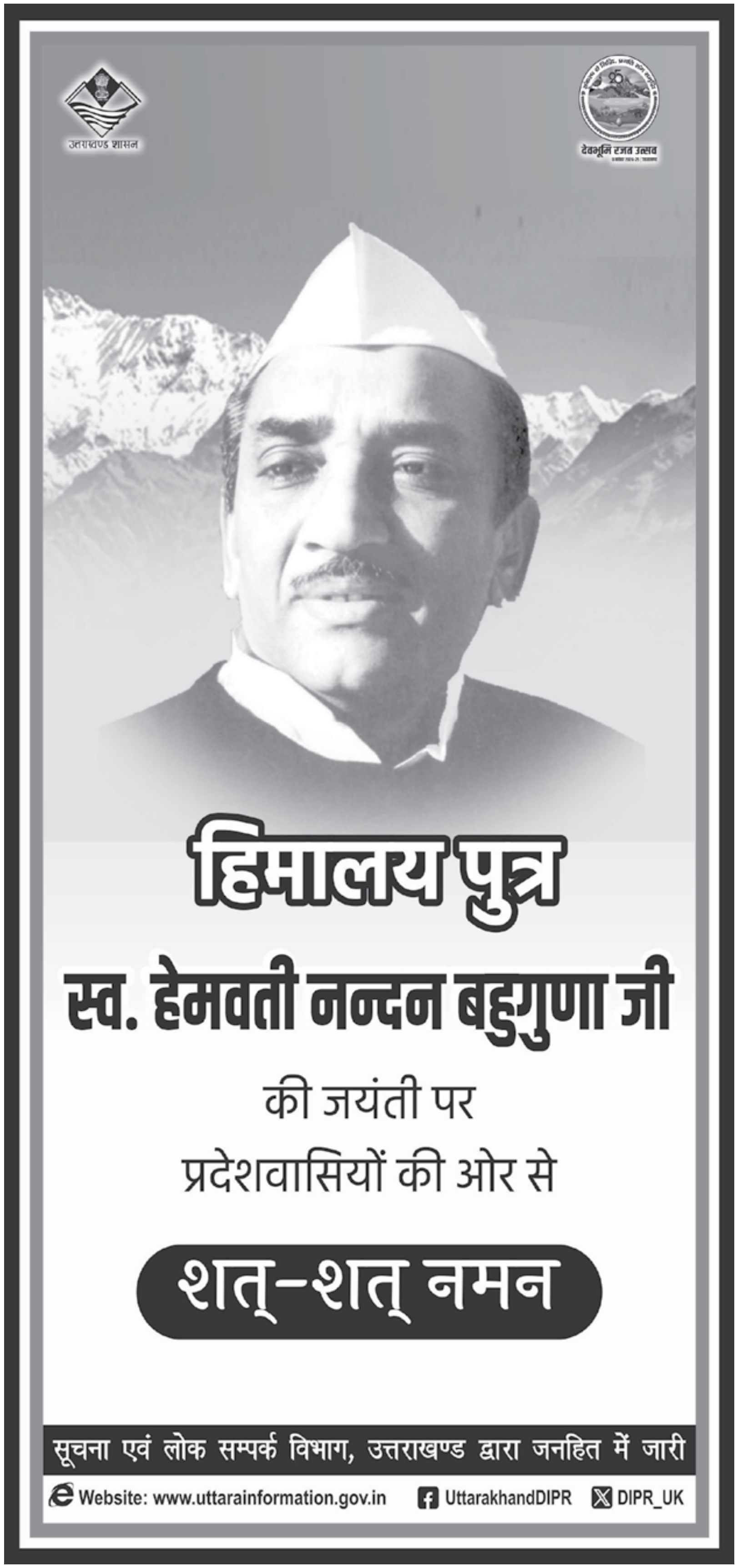

हम मशीन के गुलाम है अथवा मशीन हमारा गुलाम है

डॉ मनोज श्रीवास्तव

हम मशीन के मास्टर हैं अथवा सर्वेंट। NI प्राकृतिक बुद्धि (Natural Intelligence) से (Artificial Intelligence) कृत्रिम बुद्धि अथवा मशीनी बुद्धि तक के विकास क्रम में यह कहना अनुचित नहीं होगा कि हम मशीन अथवा AI के गुलाम बनते जा रहे हैं।
मनुष्य अपने विकास क्रम में अनेक प्रकार के आविष्कार करता गया। इन सभी आविष्कारों का आधार प्राकृतिक, मानवीय बुद्धि थी लेकिन पूर्व आविष्कार के मूल आधार प्राकृतिक, मानवीय बुद्धि को चुनौती देने वाला नये आविष्कार का जन्म किया गया जिसे AI कृत्रिम बुद्धि कहा जाता है।
AI ने मानव विकास की धुरी मानवीय, प्राकृतिक बुद्धि रूपी मूल आधार को हिला-डुला रहा है और इसपर पूर्णत: कब्जा करने के लिए तैयार है। अन्य शब्दों में हमारे सम्पूर्ण जीवन का स्वास्थ्य मशीनी हो गया है। मशीनी विकास के क्रम में प्राकृतिक मानव का अनिवार्य लक्ष्य संवेदना का लुप्त हो जाना स्वाभाविक है। प्रख्यात समकालीन दार्शनिक एवं गणितज्ञ लुडविग विट्गेन्स्टाइन का कहना है यदि समस्याएं हैं तो समाधान है यदि समाधान नहीं है तो समस्याएं भी नहीं हैं, लेकिन समस्या तो है ही। प्रश्न है कि जब समस्या है तो समाधान क्या है? इसका उत्तर है स्वंय के प्रति उत्तरदायी बनना और समाज के प्रति उत्तरदायी बनना।
इस समस्या के मूल समाधान में मानवीय संवेदना को विकसित करना है इसके लिए हमें AI तकनीक का प्रयोग करते हुए मानवीयता को अनिवार्यत: संयुक्त रूप से साथ रखना है अर्थात AI के प्रयोग के समय जागरूकता जरूरी है।

जागरूकता के आयाम में AI

जागरूकता के संदर्भ में सबसे पहले हमें इसके प्रयोग की आदत नहीं बनानी चाहिए अर्थात इसका प्रयोग कम से कम अथवा आवश्यकता पड़ने पर ही करना चाहिए क्योंकि AI और मानव के बीच का प्रमुख अन्तर सृजनशीलता और संवेदना ही है। यदि AI का प्रयोग हमारी आदत में आ जायेगा तो हमारा मूल स्वभाव सृजनात्मकता और संवेदनशीलता हमसे दूरी हो जायेगी क्योंकि यदि हम अपनी स्वभाविक आदत का प्रयोग नहीं करते हैं तो यह लुप्त हो जायेगी इसलिए अपने मानवीय अस्तित्व अर्थात सृजनशीलता और संवेदनशीलता को बचाये रखना है तथा अपने ऊपर मशीन या अमानवीयता को हावी नहीं होने देना है इसके लिए AI का प्रयोग जागरूकता के साथ करने की आवश्यकता है।
यदि AI का प्रयोग करना पड़े तो इसे नियंत्रित रूप में तथा AI का मालिक बनकर करना चाहिए ना कि गुलाम। हम स्वंय के प्रति ही नहीं बल्कि समाज के प्रति भी जिम्मेदार हैं। हम AI का प्रयोग करके अपना समय बचा लेते हैं और सुविधाभोगी मानसिकता के कारण बार-बार समय की बचत के लोभ में AI के प्रयोग को अपनी आदत बना लेते हैं। AI प्रयोग करने की हमें लत पड़ जाती है। हमें यह भी देखना होगा कि AI के प्रयोग से जो भी समय की बचत हुई है वह आभासी है अथवा वास्तविक। इसलिए AI प्रयोग से प्राप्त आभासी बचत को वास्तविक बचत में बदलकर इसका उपयोग चैटिंग इत्यादि के स्थान पर मानवता के विकास अथवा व्यक्तित्व विकास में किया जा सकता है।

राजयोगी बीके बृजमोहन भाई से जानिए गीता का भगवान कौन!

डॉ श्रीगोपाल नारसन
एडवोकेट

यूं तो ईश्वरीय सेवा के प्रति समर्पित ब्रह्माकुमारीज का नेतृत्व ब्रह्माबाबा ने ओम मंडली के समय ही उस समय की बच्चियों के नाम ट्रस्ट बनाकर अपनी सारी संपत्ति ट्रस्ट में निहित कर संस्था का नेतृत्व भी बच्चियों को ही सौंप दिया था। लेकिन बिना भाईयो के सहयोग के इस ईश्वरीय यज्ञ के पूरा होने की कल्पना नही की जा सकती, तभी तो शीर्ष नेतृत्व बहनों का और सहयोग भाईयों का, इसी सोच के तहत यह आध्यात्मिक ईश्वरीय यज्ञ सन् 1936 से आज तक चल रहा है। सच तो यह है कि न किसी को पद की इच्छा और न ही पद का गुमान ,बल्कि स्वयं देहाभिमान से परे रहकर यज्ञ सेवा में जुटे भाई बहन अपना अपना काम बड़े ही मनोयोग से कर रहे है। ब्रह्माकुमारीज महासचिव राजयोगी बीके बृज मोहन भाई जिनका जन्म 7 जनवरी 1934 में पंजाब के शहर अमृतसर में जन्म हुआ था, पुराने समय के सीए होते हुए भी लौकिक हिसाब किताब छोड़कर आमजन को गीता का भगवान कौन? यह संदेश देने में जुटे है। उनके द्वारा वर्ष में कम से कम दो बार गीता सम्मेलन व वर्ष में कम से कम दो बार ही संत सम्मेलन आयोजित किए जाते है, जिसमे श्रीमद्भागवत गीता से लेकर वास्तव में परमात्मा शिव की पहचान क्या है, और उनसे कैसे मिला जा सकता है, विषयक विचार मंथन कराते रहे है।

बीके बृज मोहन अंतरराष्ट्रीय स्तर के आध्यात्मिक प्रेरक वक्ता, लेखक और समाज सुधारक हैं। वे आध्यात्मिक ज्ञान व परमात्म सत्य को वैज्ञानिकता के साथ प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं। राजयोगी बीके बृजमोहन की आध्यात्मिक यात्रा सन् 1953 में एक कॉलेज स्नातक के रूप में युवावस्था से शुरू हुई। उन्होंने भारतीय उर्वरक निगम में 17 वर्षों तक सेवा कार्य करने के बाद, ईश्वरीय सेवा के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित करने के लिए सन् 1973 में उप वित्त प्रबंधक के पद से इस्तीफा दे दिया था। बीके बृज मोहन ने व्याख्यान देने और राजयोग रिट्रीट आयोजित करने के लिए दुनिया के सभी पांच महाद्वीपों में यात्राएं की है। वे मॉरीशस में विश्व हिंदू सम्मेलन, दक्षिण अफ्रीका में अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक सम्मेलन, कजाकिस्तान में आध्यात्मिक संस्कृति के विश्व मंच जैसे कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रतिनिधि रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2000 में संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दि में भी भाग लिया था और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में बीके की मिलियन मिनट्स ऑफ पीस अपील परियोजना की प्रस्तुति भी की थी। वे मानव मूल्यों के अथक प्रवर्तक हैं और अपनी आध्यात्मिक यात्रा के पिछले आठ दशकों के दौरान उन्होंने पूरे देश में सामाजिक और आध्यात्मिक विषयों पर कई सेमिनार आयोजित किए हैं। वे भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय में मानव मूल्यों की शिक्षा पर कोर समिति के सक्रिय सदस्य रहे हैं।

बीके बृज मोहन भाई गॉडलीवुड स्टूडियो व ओम शांति रिट्रीट सेंटर, गुड़गांव (हरियाणा) के निदेशक भी हैं। उन्होंने सन् 1953 में वाणिज्य (ऑनर्स) और सन् 1955 में दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून में स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी, तदुपरान्त उन्होंने सन् 1956 में चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में योग्यता हासिल की। वर्तमान में बीके बृज मोहन भाई ब्रह्माकुमारीज़, वैश्विक मुख्यालय के महासचिव पद पर होने के साथ साथ, ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय, माउंट आबू में वित्त एवं लेखा विभाग के प्रमुख, ब्रह्माकुमारीज के मुख्य प्रवक्ता, व सर्वोच्च निकाय और प्रबंध समिति के सदस्य भी है। उनपर ब्रह्माकुमारीज एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव, राजयोग शिक्षा एवं अनुसंधान फाउंडेशन नई दिल्ली के सचिव और ब्रह्माकुमारीज के राजनीतिज्ञ सेवा विंग की अध्यक्ष पद की भी जिम्मेदारी है। साथ ही वे ब्रह्माकुमारीज़ की दिल्ली-एनसीआर क्षेत्रीय सेवाओं के प्रभारी निदेशक के साथ साथ ब्रह्मा कुमारिज ओम शांति रिट्रीट सेंटर गुड़गांव, हरियाणा के प्रधान सलाहकार का दायित्व भी सम्भाल रहे है। जो उनकी कर्मठता, सजगता, समर्पण और त्याग का प्रमाण कहा जा सकता है। (लेखक अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता व विक्रमशीला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति है)

मुख्यमंत्री ने किया आइकॉनिक सिटी ऋषिकेश राफ्टिंग बेस स्टेशन का शिलान्यास

01 हजार से अधिक वाहनों की पार्किंग व्यवस्था से चारधाम यात्रा के दौरान मिलेगी मदद

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को ऋषिकेश गंगा कोरिडोर परियोजना के प्रथम चरण के अन्तर्गत आइकॉनिक सिटी ऋषिकेश राफ्टिंग बेस स्टेशन का शिलान्यास किया। परियोजना के पहले चरण में इसका निर्माण शिवपुरी से मुनी की रेती तक किया जाएगा। भारत सरकार के द्वारा इसके लिए 100 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गयी है, परियोजना को 02 वर्ष में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश में बहुमंजिला कार पार्किंग और कार्यालय भवन निर्माण का भी शिलान्यास किया। नगर निगम ऋषिकेश की भूमि पर बहुमंजिला कार पार्किंग और कार्यालय निर्माण का कार्य लगभग 136 करोड़ रूपये की लागत से एमडीडीए द्वारा किया जायेगा। लगभग 10 हजार 441 वर्ग मी. भूमि पर 1038 वाहनों के लिए बहुमंजिला पार्किंग और नगर निगम ऋषिकेश, जल संस्थान ऋषिकेश और यूपीसीएल के कार्यालयों के लिए भवन निर्माण किया जायेगा। पार्किंग और कार्यालय निर्माण में अग्निशमन सुरक्षा, आधुनिक सीसीटीवी, एक्सैस कंट्रोल सिस्टम के साथ ही वर्षा जल संचय, सोलर लाईट, लिफ्ट, हरित क्षेत्र और अन्य कार्य किये जायेंगे। नगर निगम ऋषिकेश के अन्तर्गत लगभग 01 करोड़ 51 लाख के विभिन्न कार्यों का भी मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पर्यावरण मित्रों को मेडिकल किट और यात्री मित्र किट भी प्रदान किये। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हाइड्रोजेल वाटरलेस टॉयलेट का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश में राफ्टिंग बेस स्टेशन बनने से राफ्टिंग क्षेत्र से जुड़े स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर बढ़ेगें। ऋषिकेश को रिवर राफ्टिंग के वैश्विक हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में हम एक कदम और आगे बढ़े हैं। राफ्टिंग बेस स्टेशन के साथ ही पर्यटकों के लिए आरामदायक स्टेशन और नदी किनारे बोर्डवॉक का भी निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की सुरक्षा के लिए राफ्टिंग मार्गो की रियल टाइम मॉनिटरिंग की व्यवस्था विकसित किये जाने के साथ ही सीसीटीवी कैमरे, एसओएस अलार्म और आपातकालीन सहायता स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश में एक हजार से अधिक वाहनों की क्षमता वाले बहुमंजिला पार्किंग के बनने के बाद ट्रैफिक और पार्किंग की समस्या से काफी राहत मिलेगी। चारधाम यात्रा के समय ऋषिकेश में होने वाली ट्रैफिक जाम की स्थिति को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा। अलग-अलग विभागों के कार्यालय एक ही छत के नीचे बनने से आम जन को काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य हर क्षेत्र मे तेजी से आगे बढ़ रहा है। सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने की दिशा में अनेक कार्य हुए हैं। चारधाम सड़क परियोजना और ऋषिकेश - कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना राज्य के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश में सोलह सौ करोड़ रुपए से अधिक की लागत से क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने का प्रयास किये गये हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त किया जा रहा है। ऋषिकेश से नीलकंठ महादेव मंदिर तक रोपवे निर्माण की दिशा में भी कदम बढ़ाया गया है। क्षेत्र में सुगम जल आपूर्ति के लिए 557 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं के साथ ही 183 करोड़ रुपए की लागत से सीवर लाइन के निर्माण पर भी कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश में राफ्टिंग के लिए वैश्विक स्तर की सुविधा, रोपवे की बेहतर सुविधा और शटल सेवाएं होंगी तो आने वाले समय में ऋषिकेश पर्यटकों को और अधिक आकर्षित करेगा, जिससे व्यवसाय एवं रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने लोगों से आहवान किया कि वर्ष में एक दिन मिलकर तिरंगे के साथ गंगा नदी में राफ्टिंग करें, इससे देश भक्ति का एक अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। इस अवसर पर कैनिबेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल, विधायक श्री प्रेमचंद्र अग्रवाल, श्रीमती रेणु बिष्ट, मेयर ऋषिकेश श्री शंभु पासवान, प्रमुख सचिव श्री मीनाक्षी सुंदरम, कमिश्नर गढ़वाल श्री विनय शंकर पांडेय, आईजी गढ़वाल श्री राजीव स्वरूप, जिलाधिकारी देहरादून श्री सविन बंसल, उपाध्यक्ष एमडीडीए श्री बंशीधर तिवारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

धामी सरकार की सख्ती, डेंगू पर सभी विभाग होंगे एकजुट

डेंगू रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार ने जारी की एडवाइजरी

डेंगू नियंत्रण में सभी विभागों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

राज्य में डेंगू की रोकथाम को लेकर चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग पूरी तरह सक्रिय है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देशों के क्रम में सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. आर. राजेश कुमार ने डेंगू से बचाव हेतु सभी संबंधित विभागों को एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि डेंगू का मच्छर साफ जमा हुए पानी में पनपता है। यदि समय रहते ऐसे स्थलों की पहचान कर ली जाए जहां पानी एकत्र हो सकता है और उसे हटाया जाए, तो डेंगू को फैलने से रोका जा सकता है।

इसी दृष्टिकोण से उन्होंने सभी संबंधित विभागों को एडवाइजरी प्रेषित की है, जिसमें यह कहा गया है कि डेंगू नियंत्रण में सभी विभागों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एडवाइजरी में अंतरविभागीय समन्वय के साथ समन्वित प्रयास करने पर ज़ोर दिया गया है। एडवाइजरी प्राप्त करने वाले विभागों में शहरी विकास, नगर निगम/नगर पालिकाएं, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, शिक्षा, सूचना, आपदा प्रबंधन, सिंचाई, कृषि, महिला एवं बाल विकास, परिवहन, मौसम विभाग, पर्यटन, वन एवं जलापूर्ति विभाग प्रमुख रूप से शामिल हैं।

स्वास्थ्य सचिव ने की बैठक, जारी की दिशा-निर्देश

उत्तराखंड के स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक में कहा, 'हमारी प्राथमिकता डेंगू के मामलों को घटाना और नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है। डेंगू मच्छर, विशेषकर एडिस एजिप्टी, घरों के आस-पास पानी जमा होने वाली जगहों पर प्रजनन करते हैं, इसलिए इन स्थानों का सफाई और निगरानी करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।' डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि यह समय सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का है ताकि राज्य को डेंगू मुक्त बनाया जा सके। सभी विभागों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने-अपने स्तर से सतर्कता एवं जागरूकता फैलाएं और संभावित मच्छरजनित स्थलों की नियमित निगरानी करें। स्वास्थ्य सचिव ने विभिन्न विभागों को डेंगू की रोकथाम के लिए संयुक्त प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगर निगम, ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, जल निगम, और अन्य विभागों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन स्थानों की सफाई सुनिश्चित करें और नागरिकों को इस बाबत जागरूक करें।

समूह आधारित स्वच्छता अभियान और निगरानी

उत्तराखंड में डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयास चल रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी हर जिले में मच्छरों के उत्पत्ति स्थानों की पहचान कर उन्हें नष्ट कर रहे हैं। इसके अलावा, शहरी विकास विभाग द्वारा निर्माण स्थलों, पुराने टायरों, खाली प्लॉटों और पानी के जमा होने वाले स्थानों की सफाई की जा रही है। नगर निगम और ग्रामीण विकास विभाग के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें घरों और सार्वजनिक स्थानों से पानी के किसी भी प्रकार के संचय को रोकने पर जोर दिया जा रहा है। पानी की टंकियों, कूलरों और बर्तन आदि को सप्ताह में कम से कम एक बार साफ करने की सलाह दी जा रही है।

शिक्षा विभाग का योगदानः छात्रों के माध्यम से जागरूकता

शिक्षा विभाग ने स्कूलों के माध्यम से छात्रों को डेंगू के बारे में जागरूक करने के लिए अभियान शुरू किया है। छात्र घर जाकर अपने परिवार को डेंगू से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी देंगे। स्कूलों में विशेष रूप से सेहत और स्वच्छता पर आधारित पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बच्चों के माध्यम से गांव और शहरों में व्यापक जागरूकता फैलाई जा सके।

जल निकासी और कचरा प्रबंधन

सिंचाई और जल निगम विभाग द्वारा जल निकासी की प्रक्रिया को दुरुस्त किया जा रहा है ताकि वर्षा के पानी के जमा होने से मच्छरों के प्रजनन स्थल न बनें। कचरा प्रबंधन में भी सुधार किया जा रहा है ताकि मच्छरजनित बीमारियों से निपटा जा सके। इसके तहत कचरे के उचित निस्तारण और खुले स्थानों पर जल भराव की रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जन भागीदारी और मीडिया का सहयोग

जन जागरूकता अभियान के तहत, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा टेलीविजन, रेडियो और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से डेंगू से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी जा रही है। मच्छरों के प्रजनन स्थानों को नष्ट करने के लिए नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है और उनका सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जा रहा है। साथ ही, जनप्रतिनिधियों और पंचायतों से भी अपील की गई है कि वे स्थानीय स्तर पर मच्छरों के प्रजनन स्थानों की पहचान करके उनकी सफाई करें और नागरिकों को डेंगू के बारे में जागरूक करें।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष स्वास्थ्य अभियान

स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्पतालों और क्लीनिकों में डेंगू के मामलों की पहचान और उपचार के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। रोगियों को इलाज के साथ-साथ डेंगू के लक्षण और बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी जा रही है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की टीम घर-घर जाकर मच्छरों के प्रजनन स्थल की पहचान कर रही है और उन्हें नष्ट कर रही है।

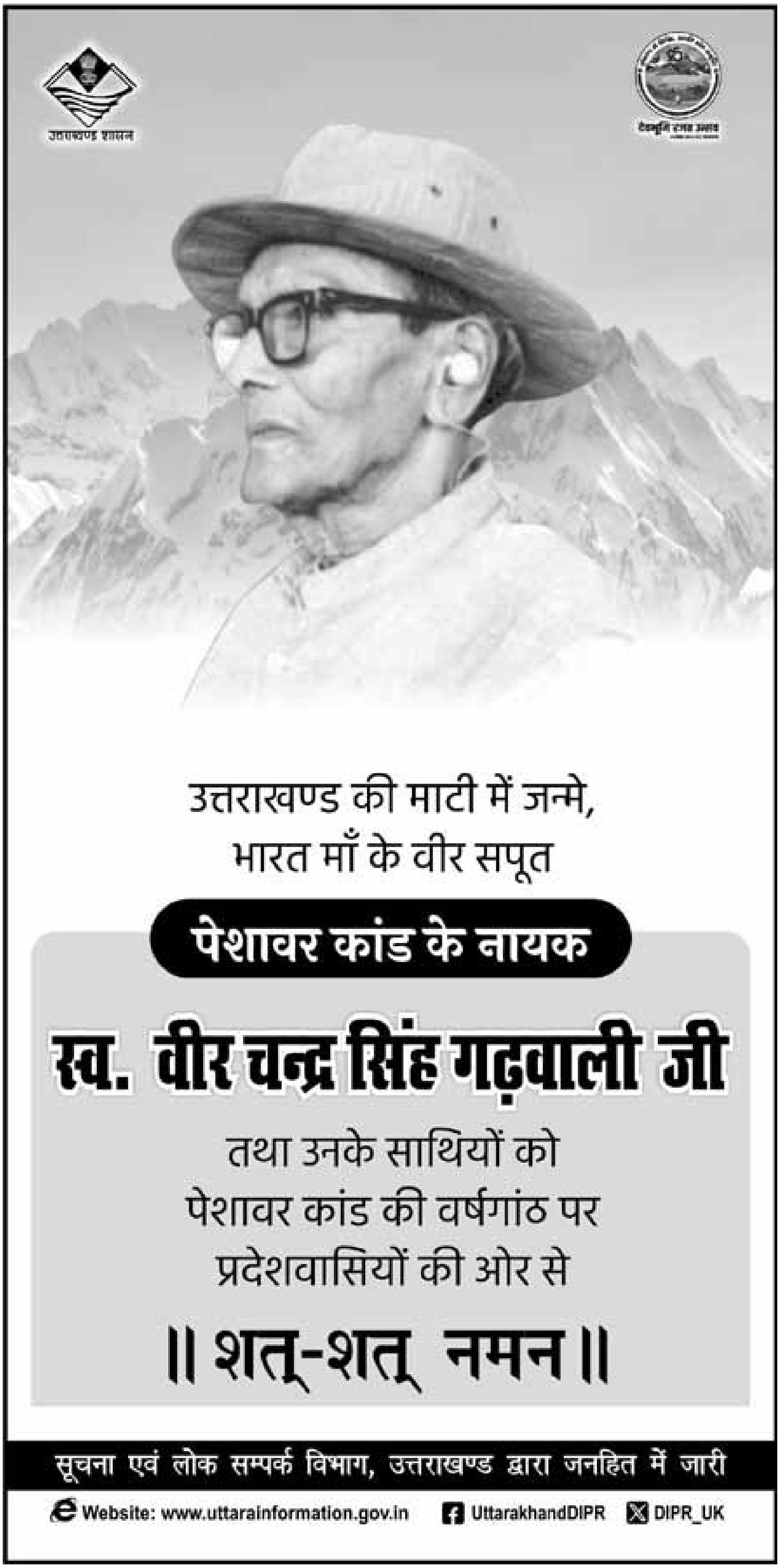

डॉ. नरेश बंसल ने नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से शिष्टाचार भेंट की

इस अवसर पर डा. नरेश बंसल ने जल जीवन मिशन, नमामी गंगे आदी आदरणीय मोदी जी के मार्गदर्शन और केंद्रीय मंत्री जी के नेतृत्व मे केंद्र सरकार द्वारा चल रहे विभिन्न कार्यक्रमो पर चर्चा की। डॉ. नरेश बंसल ने कहा की जल जीवन मिशन के तहत उत्तराखंड के ग्रामीणों के जीवन स्तर में कफी सुधार आया है व ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति में सुधार हुआ है। डॉ. नरेश बंसल ने लम्बित व नई जल विद्युत परियोजनाओं की मंजूरी देने का आग्रह भी केंद्रीय मंत्री जी से किया उन्होंने कहा की उत्तराखंड की कई छोटी बड़ी नदियां है जिन पर जल विद्युत परियोजना चलाई जा सकती है। डॉ. नरेश बंसल ने प्रदेश मे चल रही तमाम जल विद्युत परियोजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ व पहला अधिकार उत्तराखंड को देने पर भी केंद्रीय मंत्री से चर्चा की। डॉ. नरेश बंसल ने अन्य समसामयिक विषयो पर भी केंद्रीय मंत्री श्री सी.आर.पाटिल जी से विचार विमर्श किया। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री पाटिल ने केंद्र सरकार की ओर से सभी विषयो पर आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया।

उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने छात्र उत्पीड़न के सुने कई मामले, दिए कार्यवाही के निर्देश

22 अप्रैल 2025 को उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग में एक गंभीर प्रकरण के अंतर्गत एक निजी विद्यालय द्वारा बड़ी संख्या में छात्रों को कक्षा 11 में अनुत्तीर्ण करने की शिकायत प्राप्त हुई। यह शिकायत उनके अभिभावकों द्वारा आयोग में दर्ज कराई गई।

शिकायत में यह दर्शाया गया कि विद्यालय में छात्रों के गिरते हुए शैक्षणिक प्रदर्शन के पीछे के कारणों पर कोई समुचित कार्यवाही नहीं की गई। न ही छात्रों को मानसिक, भावनात्मक या स्वास्थ्यगत समस्याओं के मद्देनज़र किसी प्रोफेशनल काउंसलर की सुविधा उपलब्ध कराई गई। साथ ही यह भी पाया गया कि विद्यालय के शिक्षक निजी ट्यूशन दे रहे हैं, जिसकी जानकारी विद्यालय प्रशासन को पूर्व से ही है। इसी कारणवश पूर्व में एक शिक्षक को बर्खास्त भी किया जा चुका है।

आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने इस पूरे प्रकरण पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए विद्यालय को निर्देशित किया है कि सभी अनुत्तीर्ण छात्रों को तत्काल प्रभाव से कक्षा 12 में प्रोन्नत किया जाए। साथ ही छात्रों की वास्तविक शैक्षणिक योग्यता और मानसिक स्थिति का आंकलन करने हेतु आयोग की निगरानी में एक एप्टीटयूड टेस्ट आयोजित किया जाएगा। इस टेस्ट के पश्चात यदि कोई छात्र उपयुक्त नहीं पाया जाता है, तो उस पर विचारोपरांत निर्णय लिया जाएगा।

डॉ. गीता खन्ना ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि विद्यालय केवल नंबरों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जबकि छात्रों के आत्म-सम्मान एवं मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा की जा रही है। प्रोफेशनल काउंसलिंग के अभाव में बच्चे नशे और सोशल मीडिया की लत की ओर अग्रसर हो सकते हैं, जो कि अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। आयोग ने इस पर कड़ा संज्ञान लिया है।

इसके अतिरिक्त पुरकुल यूथ सोसाइटी से संबंधित एक मामला आयोग के संज्ञान में आया है, जिसमें संस्था द्वारा निशुल्क शिक्षा प्रदान किए जाने के बावजूद, पीड़ित परिवार के व्यवहार को देखते हुए संस्था ने छात्र का स्पॉन्सरशिप बंद करने की बात कही है। आयोग इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोनों पक्षों के तथ्य जानकर उचित निर्णय लेगा।

साथ ही विकासनगर क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के साथ कथित मारपीट के मामले में भी आयोग ने संबंधित पुलिस विभाग से आख्या तलब की है।

उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और सम्मान हेतु कटिबद्ध है एवं किसी भी प्रकार की लापरवाही या अन्याय के विरुद्ध कठोर कदम उठाएगा।

कॉलेजों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर उच्च शिक्षा सचिव से सकारात्मक वार्ताः डॉ. सुनील

डॉ. सुनील अग्रवाल

कॉलेजों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर निजी कॉलेज एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में आज उच्च शिक्षा सचिव रणजीत सिन्हा जी से सचिवालय में उनके कार्यालय में वार्ता की और उन्हें नए सत्र हेतु कॉलेजों की विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया जिसमें प्रमुख मुद्दे समर्थ पोर्टल में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन की तिथि पिछले सत्र में कई बार बढ़ाई गई थी जिसके कारण छात्रों में प्रवेश को लेकर असमंजस की स्थिति रहती है सचिव महोदय से वार्ता में अनुरोध किया गया की प्रवेश की तिथि इस तरह से निश्चित की जाए कि छात्रों को प्रवेश हेतु समुचित समय मिल सके और छात्रों में प्रवेश हेतु असमंजस की स्थिति ना रहे सचिव महोदय ने इस संबंध में व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाने की बात कही वार्ता में सचिव महोदय को अवगत कराया गया की b.ed कॉलेजों में पिछले सत्र में काफी सीटें खाली रह गई थी जिसके कारण कॉलेजों को संचालन में समस्या का सामना करना पड़ा सचिव महोदय से अनुरोध किया गया कि प्रवेश परीक्षा के उपरांत सीटें खाली रहने की स्थिति में एनसीटीई के नियम अनुसार प्रवेश की अनुमति दी जाए सचिव महोदय ने इस पर विचार का आश्वासन दिया इसके अतिरिक्त कॉलेजों हेतु प्रत्येक कोर्स के लिए विश्वविद्यालय में जमा कराई जाने वाली प्राभुत राशि जो पूर्व में 400000 हुआ करती थी वह बढ़कर 15 लाख और 35 लाख की गई है जिसके कारण कॉलेजों को कोर्स संचालन में मुश्किल आ सकती है सचिव महोदय से इस विषय में व्यवहारिक दृष्टिकोण की अपेक्षा की गई सचिव महोदय को यह भी बताया गया तकनीकी विश्वविद्यालय में प्रत्येक कोर्स हेतु एफीलिएशन फीस प्रतिवर्ष चार से पांच गुना बढ़ा दी गई है जो व्यावहारिक नहीं है यह भी बताया गया की कॉलेजों को काफी समय से एफीलिएशन लेटर न मिलने के कारण छात्रों की छात्रवृत्ति में समस्या आती है जबकि विश्वविद्यालय द्वारा सभी कॉलेज का निरीक्षण किया जा चुका है अनुरोध किया गया की कॉलेज को एफीलिएशन लेटर जल्दी जारी करने की व्यवस्था करवाई जाए सचिव महोदय से अपेक्षा की गई कि वह इन सब मुद्दों पर सकारात्मक दृष्टिकोण से विचार कर उचित निर्णय लेंगे सचिव महोदय ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया की सभी विषयों पर सकारात्मक निर्णय किए जाएंगे प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष डॉक्टर सुनील अग्रवाल के अतिरिक्त सचिव किसान थपलियाल और कोषाध्यक्ष अजय जसोला शामिल हुए।

जानिए कैसा होगा आपका यह सप्ताह

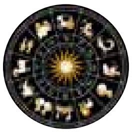
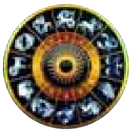
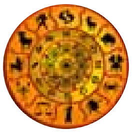

पं. दीपक प्रसाद, शास्त्री (मो. 9557730042)
(ज्योतिष, कर्मकाण्ड, धर्मिक अनुष्ठान आदि)

मेष राशि- भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। व्यावहारिक और उन्नत सोच आगे बढ़ने में मदद करेगी। बड़े बुजुर्गो का स्नेह और आशीर्वाद मिलेगा। रुके हुए कोर्ट केस या सरकारी मामले आगे बढ़ेंगे। किसी अनजान व्यक्ति से सौदा करते समय अच्छी तरह जांच लें। कोई स्वार्थ से अफवाह फैला सकता है, जिससे मान सम्मान पर बुरा असर पड़ेगा। सतर्क रहें।

वृषभ राशि- कई तरह की गतिविधियों में शामिल रहेंगे। तरक्की का रास्ता खुल रहा है, बस ज्यादा मेहनत करें। विद्यार्थियों को मनचाहा परिणाम मिलने से खुशी होगी। कोई भी खरीद बेच करते समय पक्का बिल जरूर लें, क्योंकि आगे परेशानी आ सकती है। विद्यार्थी और युवा समय का सही इस्तेमाल करें, घूमने फिरने में समय बर्बाद न करें।

मिथुन राशि- ग्रहों की स्थिति बहुत अच्छी है। जीवन को सकारात्मक तरीके से देखें, व्यक्तित्व में सुधार होगा। परिवार वालों के साथ गलतफहमी दूर होगी। धार्मिक जगह पर समय बिताने से शांति मिलेगी। किसी को भी पैसा उधार देना हो तो सोच समझकर फैसला लें। किसी उलझन में अनुभवी लोगों से सलाह लें। छोटी बातों पर तनाव न लें, समाधान ढूंढें।

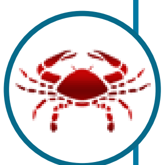

कर्क राशि- अच्छा समय है। अपने काम पर भरोसा रखें, तो किस्मत अपने आप साथ देगी। घर में शांति बनाए रखने में आपका खास योगदान रहेगा। मेहनत और समझदारी से आपको सफलता मिलेगी। कहीं भी खर्चा या निवेश करते समय सावधान रहें, लापरवाही नुकसानदायक होगी। किसी के साथ ज्यादा बहस में न पड़ें। आज गाड़ी बहुत ध्यान से चलाएं।

सिंह राशि- परिवार में छोटी-मोटी परेशानी हो सकती है, जिससे मन में चिंता रहेगी। आपके करियर में मुश्किलें आ सकती हैं, खासकर नौकरी में अगर आप बदलाव की सोच रहे हैं। यह आपको थोड़ा चिंतित कर सकता है। प्रेम संबंधों में उलझन और कुछ नकारात्मकता हो सकती है। आप और आपके साथी के बीच कुछ दूरियां आ सकती है।

कन्या राशि- ग्रहों की स्थिति अच्छी बनी हुई है। किसी बड़े व्यक्ति की मदद से आपकी उम्मीदें पूरी होंगी। बाहर की गतिविधियों में भी ज्यादा समय बीतेगा। बच्चे पढ़ाई पर ध्यान देंगे। लोगों से मिलते जुलते समय अपना सम्मान बनाए रखें। बेकार की बहस में न पड़ें। किसी भी काम में ज्यादा खतरा उठाना आपको मुश्किल में डाल सकता है।

तुला राशि- भावनाओं में बहने के बजाय समझदारी से काम लेना फायदेमंद रहेगा। किस्मत से ज्यादा मेहनत पर भरोसा रखें। मेहनत से ही किस्मत भी साथ देगी। बच्चे की खुशखबरी मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा। प्रॉपर्टी या किसी महंगी चीज की खरीद बिक्री की योजना बना रहे हैं, तो कागज वगैरह अच्छे से जांच लें। इस समय आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर रहेगी।

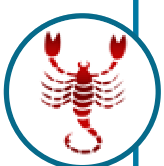

वृश्चिक राशि- प्रभावशाली लोगों के साथ रहने का मौका न छोड़ें, इससे आपकी पहचान बढ़ेगी। विद्यार्थियों को भी पिछली कुछ समय से चल रही परेशानी से आराम मिलेगा। किसी रिश्तेदार के यहां कार्यक्रम आदि में जाने का निमंत्रण मिलेगा। इस समय भविष्य की चिंता छोड़कर अभी के कामों पर ध्यान दें। आप अपनी कोई जरूरी चीज कहीं रखकर भूल सकते हैं।

धनु राशि- आपके ज्यादातर काम मनचाहे तरीके से पूरे होते जाएंगे। करीबी दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ खुशी का समय बीतेगा। साथ ही आप आराम करने और हल्के मूड में रहेंगे। विदेश जाने की कोशिश कर रहे लोगों की बाधाएं दूर होंगी। कभी-कभी स्वभाव में शक और गुस्से की स्थिति रह सकती है। जिसकी वजह से परिवार के लोग भी परेशान रहेंगे।

मकर राशि- अपनी मेहनत और योग्यता से किसी खास काम में आपको अच्छी सफलता मिलेगी साथ ही सामाजिक दायरा भी बढ़ेगा। कोई बड़ा निवेश भी करने के लिए समय अच्छा है। भविष्य में अच्छा फायदा देगा। जमीन या गाड़ी खरीदने की सोच रहे हैं, तो पहले कागज वगैरह अच्छी तरह जांच लें। अनुभवी लोगों की सलाह और मार्गदर्शन को बिल्कुल न नकारें।

कुंभ राशि- कुछ रुके हुए काम फिर से शुरू हो सकते हैं, इसलिए ध्यान से उन पर काम करें। इस समय ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है। आप जो भी फैसला लेंगे या काम करेंगे, उसमें जरूर सफलता मिलेगी। किसी धार्मिक यात्रा का भी प्लान बन सकता है। सफलता पाने के लिए हर संभव कोशिश भी जरूरी है। बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें।

मीन राशि- घर के बड़े बुजुर्गों के प्रति आपका सेवा भाव उन्हें खुशी देगा। धार्मिक गतिविधियों में भी अच्छा समय बीतेगा। चुनौतियों से घबराने के बजाय डटकर मुकाबला करना सीखें। यह समय पूरी तरह से अपने कामों के प्रति मजबूत रहने का है। दूसरों के लड़ाई झगड़ों में किसी भी तरह का दखल न दें। अपने खर्चों पर काबू रखें, उधार लेना ठीक नहीं है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की थ्रिलर फिल्म को मिली एक्ट्रेस

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म को मिली एक्ट्रेस, पहली बार काम करेगी यह एक्ट्रेस सिद्धार्थ के साथ, जून 2025 में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में रहते हैं। अभिनेता के फैंस उनकी हाल ही में अनाउंस की गई फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। खास बात है कि इसका निर्देशक टीवीएफ फेम दीपक मिश्रा कर रहे हैं। फिल्म का टाइटल 'वन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' है। अब इस फिल्म को एक्ट्रेस मिल चुकी है।

बॉलीवुड के दमदार एक्टर के तौर पर सिद्धार्थ मल्होत्रा जाने जाते हैं। फिल्मी दुनिया में चुनिंदा स्टार्स ऐसे हैं, जो किरदार की जरूरत को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए काफी मेहनत करते हैं। इनमें से एक सिद्धार्थ भी हैं। इन दिनों एक्टर की अपकमिंग फिल्म की खूब चर्चा चल रही है, जिसका निर्देशन दीपक मिश्रा कर रहे हैं। अब फाइनली इस फिल्म में काम करने वाली एक्ट्रेस के नाम से पर्दा उठ गया है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'वन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' एक पौराणिक थ्रिलर फिल्म है। इसके टाइटल अनाउंसमेंट के बाद फैंस की उत्सुकता इसे लेकर काफी ज्यादा बढ़ गई है। इस फिल्म में नजर आने वाली एक्ट्रेस को लेकर काफी बज बना हुआ था। आखिरकार अब इसमें नजर आने वाली एक्ट्रेस के नाम का खुलासा हो गया है।

इस फिल्म से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सिद्धार्थ के साथ फिल्म में तमन्ना भाटिया नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस के बारे में बता दें कि वह फिल्मों में बेहतरीन एक्टिंग के अलावा अपने डांस नंबर को लेकर चर्चा में रहती हैं। स्त्री 2 में भी उनके गाने को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। अब देखना दिलचस्प होगा कि सिद्धार्थ के साथ बतौर लीड एक्ट्रेस की भूमिका को वह कैसे निभाती हैं। हालांकि, अभी मेकर्स ने उनके नाम की घोषणा नहीं की है।

फिल्म के बारे में रिपोर्ट में बताया गया है कि यह जून 2025 में फ्लोर पर आ सकती है। इसके बाद फिल्म को मेकर्स ने 2026 में बड़े पर्दे पर रिलीज करने की योजना बनाई है। बता दें कि सिद्धार्थ के साथ तमन्ना की यह पहली फिल्म होगी। फैंस तो दोनों को बड़े पर्दे पर साथ देखने के लिए एक्साइटेड हैं।

R.N.I.: UTTHIN/2010/41629 Postal Regd. UA/DO/DDN/01/2025-2027

धन्यवाद उत्तराखंड

सफल प्रकाशन का गौरवशाली 14वाँ वर्ष

उत्तराखंड से प्रकाशित एकमात्रा समाचार साप्ताहिक पत्रिका

दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

मूल्यः रु 15/- मात्र

नए कलेवर में प्रत्येक रविवार

प्रत्येक रविवार
दिव्य हिमगिरि

संपादकीय कार्यालय : 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)
मोबाइल : +91 8433456398, 9410353164
Email: divyahimgiriddn@gmail.com